# PUBLIC WORKS DEPARTMENT BUILDINGS AND ROADS BRANCH

#### Ambala Circle

The 24th February, 1987

No. SE/P.W.D./B & R/Ambala/790.—Whereas it appears to the Governor of Haryana that land is likely to be required to be taken by the Government, at the public expenses, for a public purpose. namely, for constructing Link road from B bipur to Nandu Khera in district Kurukshetra, it is hereby declared that the land described in the specification below is required for the aforesaid purpose.

This declaration is made under the provision of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern and under the provision of section 7 of the said Act, the District Revenue Officer-cum Land Acquisition Collector, Kurukshetra hereby directed to take order for the acquisition of the said land.

A Plan of the land may be inspected in the offices of the District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Kurukshetia and the Executive Engineer, Provincial Division No. I, Haryana P.W.P., B&R Branch, Kurukshetra.

			SPEC	IFICATI	ON		
District	Tehsil ,	Locality/ Village	Hadbast No.	Area in acres		Khasra N	0.
Kurukshetra	Pehowa	Bibipur	50	2.71	44	45	
					24, 25	21, 22 56	<b>`</b>
					1, 2/1, 2/2, 17/1, 24/1,	9/1, 9/2, 24/2, 24/3	8, 12, 131, 13/2, to 24/19
					57		62
					1, 2, 3,	4, 5	4, 7
						1, 97, 137, 117, 118, 13	
						(Sd.	),

Superintending Engineer,
Ambala Circle, P.W.D. B&R., Branch,
Ambala Cantt.

लोक निर्माण विभाग भवन एवं सड़क शाखा ग्रम्बाला वृत दिनांक 24 फरवरी, 1987

नं० एस॰ ई०/लो०नि०वि०/भ० एवं स०/ग्रम्बाला/790.—मूं कि हिरियाणा के राज्यपाल की प्रतीत होता है कि सरकार द्वारा सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजनार्थ जिला कुरुक्षेत्र में बीबीपुर से नंदू खेड़ा तक सड़क का निर्माण हेत् भूमि ली जानी ग्रंपिसत है भ्रतः यह घोषित किया जाता है कि निम्न विभिष्टियों में वर्णित भूमि उपरोक्त प्रयोजनार्थ ग्रंपिसत है!

यह घोषणा भूमि अर्जन अधिनियम, 1894, की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन उन सभी व्यक्तियों को जारी की जाती है जो इस से सम्बन्धित हो सकते हैं और उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन जिला राजस्व अधिकारी तथा भूमि अर्जन समाहर्ता, कुछक्षेत्र, को उक्त भूमि के अर्जन हेत् आदेश लेने के लिये निदेश दिया जाता है।

भूमि के तक्षों का निरोक्षण जिला राजस्य अधिकारी तथा भूमि अर्जन समाहती, कुरुक्षेत एवं कार्यकारी अभियन्ता, प्रान्तीय मण्डल नंज 1, हरियाणा, लोज निज विज, भज एवं सज जाखा, कुरुक्षेत्र, के कार्यालय में किया जा सकता है।

			विशिष्टिप	Ť			
जिला	तहसील	परिक्षेत्र/ गांव	हदबस्त नं०	क्षेत्रफल (एकड़ों में)	खसरा	नं०	
<b>क्</b> रक्षेत्र	पेहवा	<b>बीबीपु</b> र	50	2.71	44	45	
					24, 25	21, 22	· 

₹ं हो	ामान <b></b>	परिजेल् <i>।</i> गाँच	हृद्यस्त न०	क्षेत्रफा (एक्ट्रॉ में)	ःसरा नं∘
	पें.≘या	बीबीपुर समाप्त		-	56
		समाया			2/1, 2/2, 9/1, 9/2, 8, 12, 13/1, 56
					13/2, 17/1, 24/1, 24/2, 24/3 R 24/19 57 62
					1, 2, 3, 4, 5 4, 7  72, 95, 71, 97, 137, 98, 141, 103, 114, 115, 117, 118, 136
		,			(हस्ताक्षर) , अधीषक अभियन्ता, अम्बाला परिमण्डल लोवनिवित्व मव तथा सव शाधा, अस्याला ।

# PUBLIC WORKS DEPARTMENT BUILDINGS AND ROADS BRANCH

#### AMBALA CIRCLE

The 24th February, 1987

No. SE PWD B&R Ambala 792. -Whereas it appears to the Governor of Haryana that land in likely to be required to be taken by the Government, at the public expenses, for a public purpose, namely, for constructing road from Thanesar-Pehowa road to Muqwinpura, it is hereby declared that the real laser back in the specification below is required for the aforesaid purpose.

The declaration is made under the provision of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894 to 11 whom it may concern and under the provision of section 7 of the said Act, the Di trict Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector Karukshatra, hereby directed to take order for the acquisition of the said land.

A plan of the land may be inspected in the offices of the District Revenue Officer-cum-Land Acquisation Collector, Kurukshetra and the Executive Engine r Provincial Division No. I, Haryana, PWD, B&R Branch, Kurukshetra.

#### **SPECIFICATION**

	•	·- ·- ·			
Duarter	Tehsil	Locality Village	Hadbast No.	Area in acres	Khasra No.
	2	3 —		5	6
Kurakshetra	Pehowa	Bhor Saidan	157	1.80	29
					19/2, 19/3, 22
					9, 10, 11/1, 11/2, 12/1, 12/2, 12/1, 12/2, 26, 2

District	Tehsil	Locality/ Village	Hadbast No.	Area in acres	Khasra No.
1	2	3	4	5	6
Kurukshetra	Pehowa	Bhor Saidan— concld			52 1/1, 1/2, 2, 9, 10, 11, 12, 19, 20, 21, 22/1 60 

(Sd.) . . .,

Superintending Engineer,

Ambala Circle, PWD., B. & R. Br.,

Ambala Cantt.

लोक निर्माण विभाग

#### भवन एवं सड़क शाखा

## श्रम्बाला वृत

दिनांक 24 फरवरी, 1987

, Au

नं० एस. सी./लो.नि. वि/भ. एवं स./ग्रम्बाला/792 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल को प्रतीत होता है कि सरकार द्वारा, सरकारी व्यय पर, सार्वजनिक प्रयोजनार्थ जिला कुरक्षेत्र में थानेसर पेहवा रोड़ गांव मुकीमपुर तक सड़क का निर्माण हेतु भूमि ली जानी भपेंक्षित है ग्रतः यह घोषित किया जाता है कि निम्न विशिष्टि में विणित भूमि उपरोक्त प्रयोजनार्थ श्रपेक्षित है।

यह घोषणा भूमि मर्जन म्रिधिनियम, 1894, की घारा 6 के उपबन्धों के ग्रधीन उन सभी व्यक्तियों को जारी की जाती है जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं मौर उन्त म्रिधिनियम, की घारा 7 के उपबन्ध के म्रधीन जिला राजस्व म्रिधिकारी तथा भूमि मर्जन समाहर्ज़ी कुरुक्षेत्र को उन्त भूमि के मर्जन हेतु मादेश लेने के लिये निदेश दिया जाता है।

भूमि के नक्शों का निरीक्षण जिला राजस्व अधिकारी तथा भूमि अर्जन समाहती कुरुक्षेत्र एवं कार्यकारी अभियन्ता प्रान्तीय मण्डल तं. 1, हरियाणा लो. नि. वि., भ. एवं स. शाखा, कुरुक्षेत्र के कार्यालय में किया जा सकता है।

### विशिष्टियां

<u>जिला</u>	तहसील परिक्षेत्र/ हदबस्त क्षेत्रफल ख गांव सं० (एकड़ों में)		खसरा नं०				
कुरक्षेत	पेह्रवा	भोर सैयदां	157	1,80	29	38	
					19/2, 19/, 22	9, 10, 11/1, 11/2 38	
•					12/1, 12/2, 12/ 22, 26, 2	/3, 19/3, 20/2, 21,	

जिला	तहसील	परिक्ष <i>वि/</i> ग्राम	हदबस्त नं <b>.</b>	क्षेत्रफल (एकड़ों में)	खसरा नम्बर	
कुरुक्षेत	पेहवा	भोर-सैयदांसमाप्त			52	
				1/1, 21, 2	1/2, 2, 9, 10, 11, 2/1	12, 19, 20
				60	, 141, 149, 151, 119	, 409, 410

(हस्ताक्षर) ...,
श्रधीक्षक श्रभियन्ता,
श्रम्बाला वृत, लोक निर्माण विभाग,
भवन तथा मार्ग शाखा,
श्रम्बाला (हरियाणा)

श्रम विभाग

ग्रादेश

दिनांक 5 जनवरी, 1987

सं० ग्रो० वि०/एफ०डी०/131-86/429.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० इम्प्रेंगस एण्ड इन्सुलेशन कारपोरेशन, 19/6, मथुरा रोड़, फरीदाबाद के श्रमिक श्री नन्हें लाल, पुत्र श्री नथुराम, मार्फत श्री ग्रमर सिंह सरपंच संजय इंक्लेव, भोला नगर, नजदीक नगला रोड़, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, भौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पड़ते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की घारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत प्रथमा संबंधित मामला है:--

क्या श्री नन्हें लाल की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं ब्रो०वि०/एफ०डी०/131-86/436.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं व इम्प्रैगस एण्ड इन्सुलेशन कारपोरंशन 19/6 मथुरा रोड़, फरीदाबाद के श्रमिक श्री तेज पाल, पुत्र श्री खिल्लू राम, गांव ग्रमरू, डा० भागोला, जिला फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 5415-3-श्रम 68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 11495-जी-श्रम 57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिसूचना, की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा

मामला न्यायिनर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तया श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला हैया विवाद से सुसंगत श्रयवा सम्बन्धित मामला है:---

> क्या श्री तेज पाल की सेवाओं का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. भ्रो. वि./एफ०डी०/14-86/444.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (1) प्रशासक, हरियाणा शहर विकास प्राधिकरण, इस्टेंट श्राफिसर, सैक्टर 16, फरीदाबाद, (2) कार्यकारी अभियन्ता, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण डिविजन नं० 2, फरीदाबाद के श्रीसक श्री श्रिमपाल मार्फत श्री एम० के० भण्डारी, कोठी नं० 360, सैक्टर 19, फरीदाबाद तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद की न्यायिनर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रधिसूचना सं० 5415—3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए श्रधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम 57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रधिसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त श्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रयवा संबंधित मामला है :—

क्या श्री ब्रिमपाल की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भ्रो॰ वि॰/यमुना/122-86/453.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राग है कि मैं० (1) उपायुक्त, अम्बाला, (2) प्रशासक, नगर पालिका जगाधरी, के श्रीमिक श्री मानसिंह, पुत्र श्री कृपाल सिंह, गांव व अ० मेर्हां ती, तहसील जगाधरी (अम्बाला) तथा उसके प्रषम्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, भौद्योगिक विवाद श्रमितियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा श्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रमित्वना सं० 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1984, द्वारा उक्त श्रमितियम की घारा 7 के श्रमीन गठित श्रम न्यायालय, श्रम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त श्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रयवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्रीमानसिंह की छंटनी न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

संज्ञी विव/एफ०डी०/144-86/460.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० (1) हरियाणा शहरी विकास प्रधिकरण डिविजन नं० 3 (रोड़ सीट) सैक्टर 9, फरीवाबाव के श्रमिक श्री जीता, पृत्र श्री मोहन लाल, गांव लाडपुर, पोस्ट छाता, जिला सथुरा (उत्तर प्रदेश) तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस वियाद को न्यायितर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) है खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी अधिमुचना सं 5415-3-अम 68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं 11495-जी-अम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिमूचना की धारा 7 के अधीन गठित अम न्यायालय, फरीदाबाद को विजाद प्रस्त या उससे सुसंगत या उसने सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनण्य एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा अभिक के बीच या तो विवाद प्रस्त मामला है।—

क्या श्री जीता की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

म्रार० एस० स्रग्नवाल,

उप सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग ।